आहा...कविताएँ!

by Savitri Singh Illustrations by Subinita Deshaprabhu

विषय सूची

बंदर मुझे हँसाता है...2
हाथी सूँड़ हिलाता है...3
मोटा भालू आया...4
भागा चूहा दबा के दुम...5
म्याऊँ, म्याऊँ, म्याऊँ...6
रंग-बिरंगी तितली...7
चीं चीं चिड़िया...8
चींटी रानी ...9
गाय हमारी सीधी-सादी...10
मछली रानी...11
छुक-छुक रेल...12
पानी में नाव चले...13
सर्दी का मौसम है आता...14
छम-छम-छम-छम पानी बरसा...15
सब्ज़ी खाओ...16
आम रसीला...17
मेरी मोटर...18
शेर और चूहा...19
तितली उड़ाओ...23

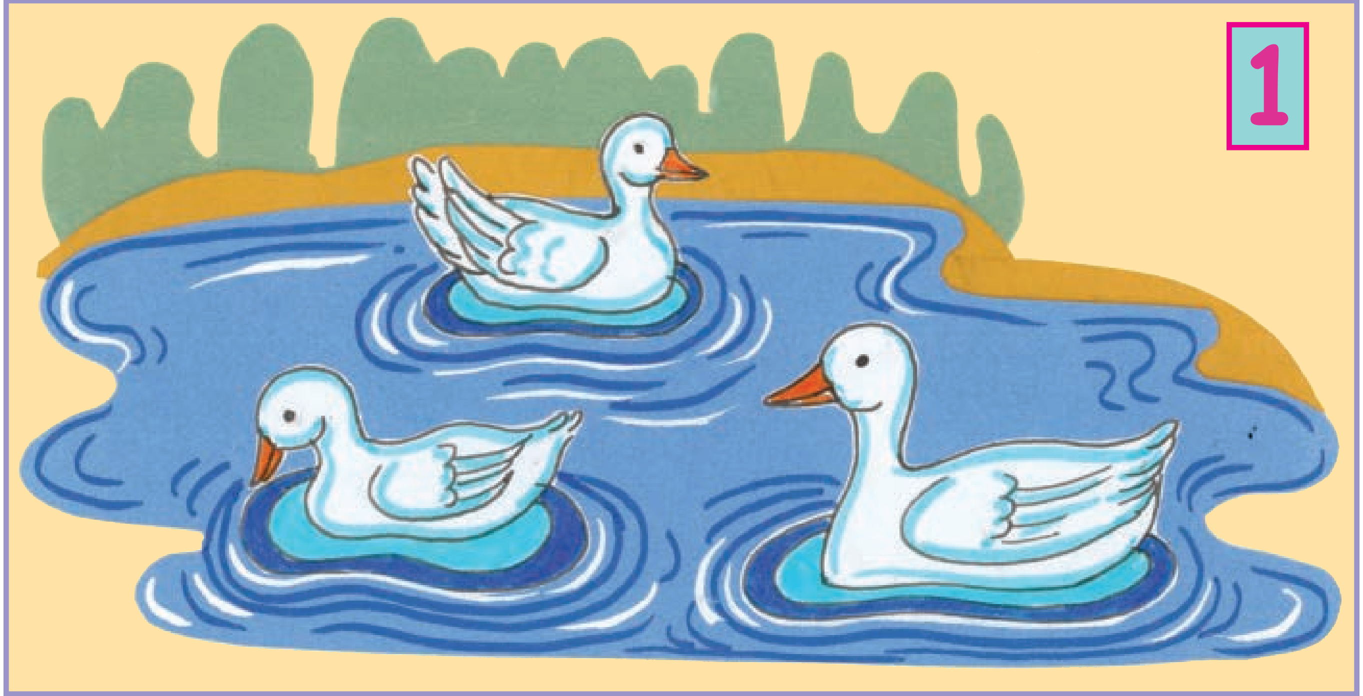

Edited and designed by Mohini Sawhney and Rohini Purang

भागा चूहा दबा के दुम

छोटा चूहा, लम्बी दुम,
हो गई उसकी रोटी गुम।
देखा मोटे बिल्ले को तो,
भागा चूहा दबा के दुम !

अब चूहे को बहुत भूख लगी है। उसे जल्दी से रोटी तक पहुँचाइए!

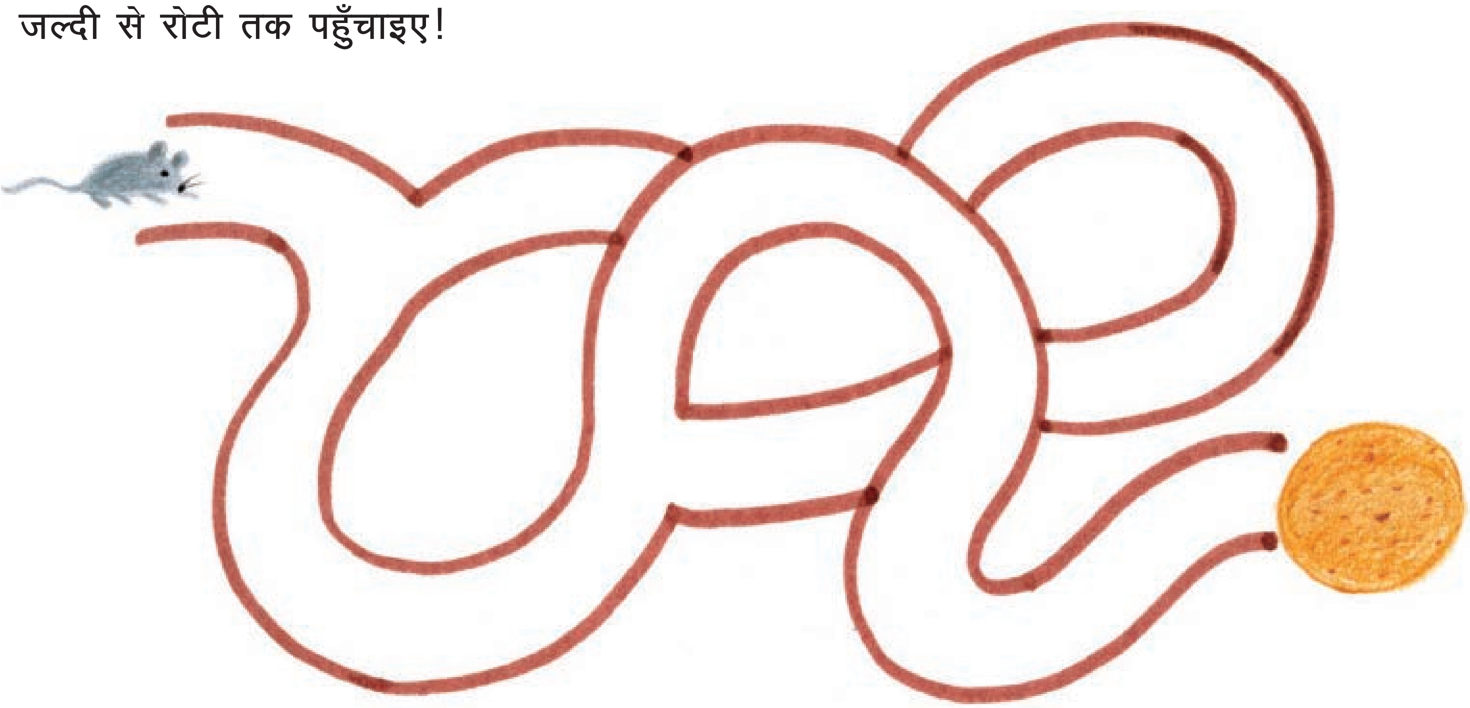

चींटी रानी

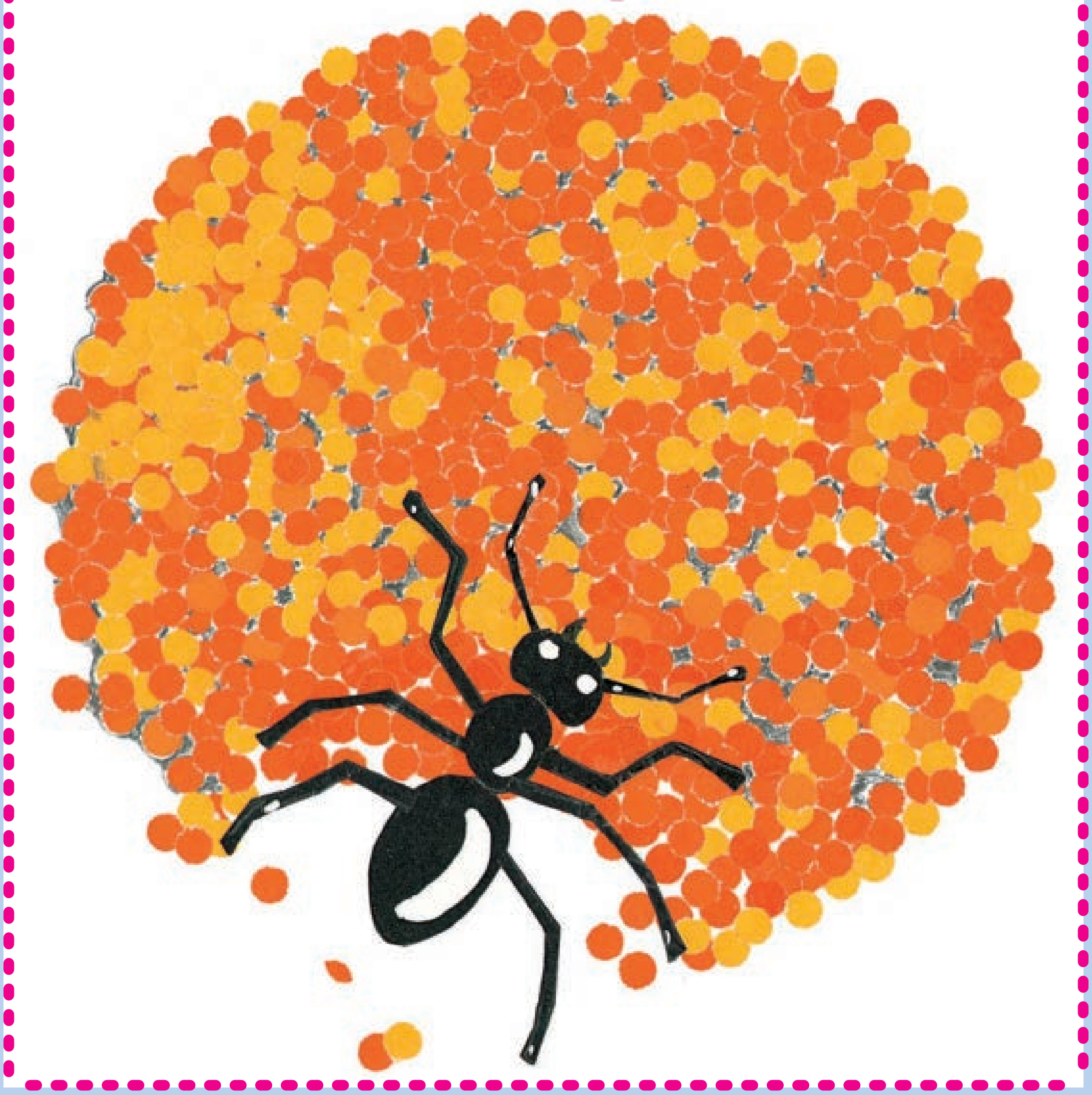

देखो सब चींटियाँ आपके घर दावत खाने आईं हैं! हर चींटी को एक-एक लड्डू तो खिला दो।

चींटी रानी, चींटी रानी,
क्यों करती हो तुम मनमानी?
सारा लड्डू खा जाती हो,
पीती नहीं ज़रा भी पानी।

शेर और चूहा

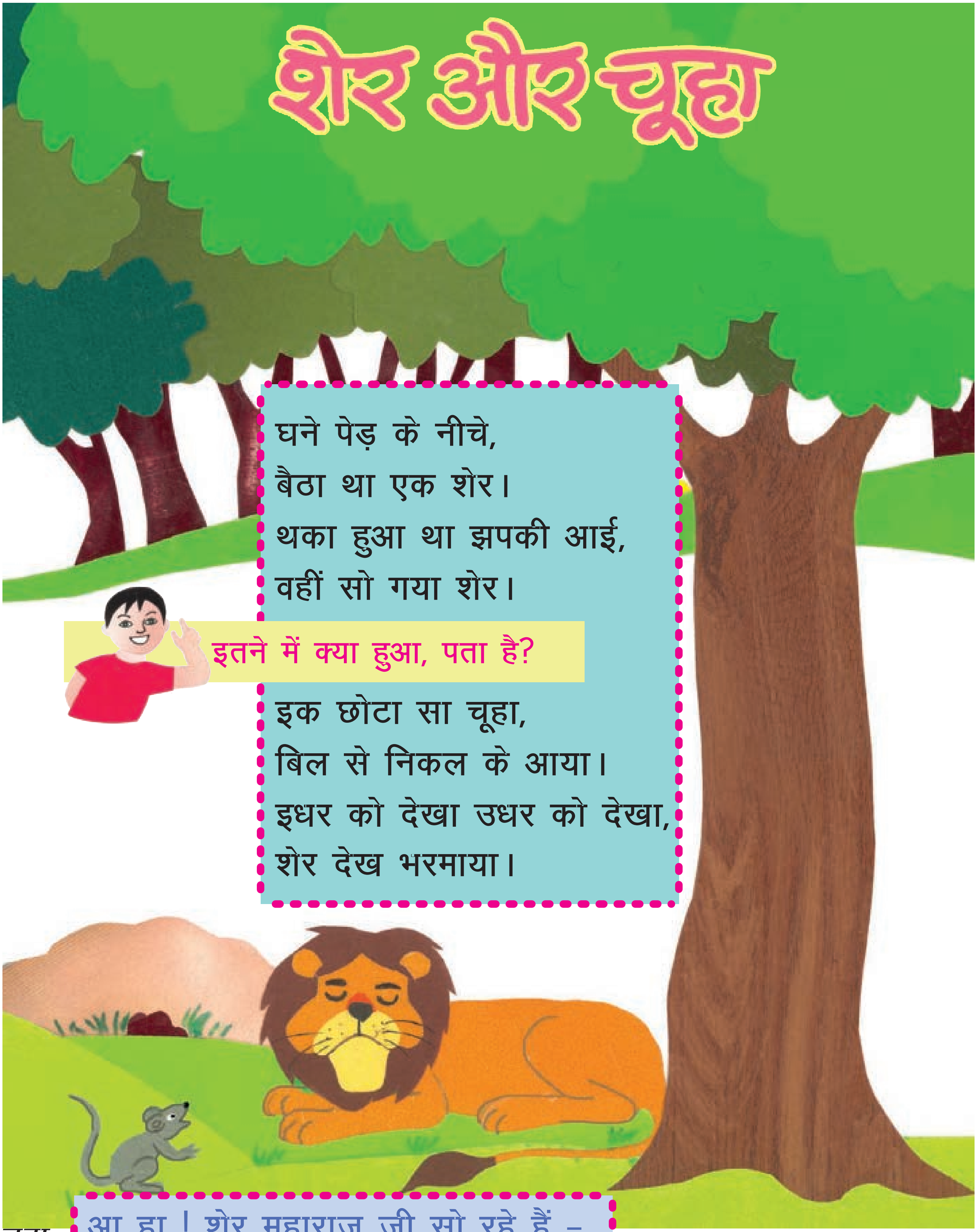

घने पेड़ के नीचे,
बैठा था एक शेर।
थका हुआ था झपकी आई,
वहीं सो गया शेर।

इतने में क्या हुआ, पता है?

इक छोटा सा चूहा,
बिल से निकल के आया।
इधर को देखा उधर को देखा,
शेर देख भरमाया।

चूहा बोला आ हा ! शेर महाराज जी सो रहे हैं –
अब मैं इनकी पीठ पर बैठ सकता हूँ!